3/1/69 रात्रिक्लास :–

बच्चे जब सुनते हैं, सिमरण करते हैं तो नशा चढ़ता है। अगर सुमिरण नहीं करते (तो) सोडा वॉटर हो जाता। वह रौनक खून की कम हो जाती है। बाप को रहम भी बहुत पड़ता है। रोज नशे का प्याला पिलाते हैं। किसम2 का नशा होता है ना। यह है ईश्वरीय नशे का प्याला। अगर याद में रहे तो खुशी का पारा चढ़ा रहे। याद में न रहते हैं तो ढीले हो जाते हैं। रीढ़ बकरी बन जाते हैं। वन्डर यह है भूल जाते ..... बाबा हमारा बाबा भी है टीचर भी है हूबहू चलन बात चीत आदि करना जैसे बाहर वालों मिसल हो ..... हैं। यह भी बच्चे समझते हैं बादशाही दर पर है। बाबा घर में आया तो बादशाही भी आई। इसमें तो कोई शक नहीं। मकान बनता है तब तक नशा रहता है। फिनिश होने पर होगा तो खुशी का पारा चढ़ेगा। यहां फिर समझते हैं बाबा के साथ तो मजा है। प्याला ही बाप पि(पि)लाते हैं ना। बाप के साथ रहना स्वर्ग से थी ..... है। किसके तकदीर में नहीं है तो तदबीर क्या कर सकते हैं। बच्चों ने बाकसिंग नहीं देखी होगी। इसमें ..... बहुत होता है। मर भी पड़ते हैं। तुम्हारा सभी कुछ है गुप्त। जिनकी याद जास्ती ठहरती है उनको खुशी ..... होनी चाहिए। कमाई बड़ी जबरदस्त है। इसमें कोई को गफलत नहीं करनी है। विचार–सागर–मंथन करना .... फायदे वाला है। जितना विचार–सागर–मंथन करेंगे उतना ही प्वाइंट अच्छी आवेगी। भाषण भी अच्छा कर ..... हैं। बड़ी लॉटरी है। गिरते हैं तो समझते हैं कल्प–कल्पान्तर लिये लॉटरी गई। इस कारण कोई को गिरना ..... चाहिए। अच्छा, रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का यादप्यार, गुडनाइट और नमस्ते।

डारैक्शनः– सभी सेन्टर्स प्रति डायरैक्शन है कि जब कभी भी कोई प्रदर्शनी आदि करते हैं वा म्युज़ियम खुले हैं उन सभी के जो भी अच्छे–2 ओपीनियन्स होते हैं वह दिल्ली में जगदीश भाई को अवश्य .....